आगरा–लखनऊ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे परियोजना में आयी तेज़ी

- *परामर्शी के चयन के लिए बिड्स खोली गयीं*
- *मे. रेडिकॉन इण्डिया प्रा. लि. को कॉन्सेप्ट रिपोर्ट हेतु परामर्शी चुना गया*

लखनऊ, 17 मई 2012:

प्रदेश सरकार की प्रस्तावित आगरा–लखनऊ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे परियोजना के लिए आज **'कॉनसेप्ट रिपोर्ट'** तैयार करने के लिए **मे. रेडिकॉन इण्डिया प्रा. लि.** का **परामर्शी** के रूप में चयन किया गया है। यह आठ लेन का ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे **न्यूनतम दूरी के फॉर्मूले** के अनुसार **सार्वजनिक निजी सहभागिता** के माध्यम से विकसित किया जायेगा। इस 365 कि0मी0 लम्बे एक्सप्रेस–वे से न केवल आगरा से लखनऊ की दूरी को वर्तमान में 6 घण्टे के स्थान पर 3.30 घण्टे में तथा ग्रेटर नोएडा से लखनऊ की 530 कि0मी0 की दूरी वर्तमान 9 घण्टे के स्थान पर 5 घण्टे में तय की जा सकेगी।

उत्तर प्रदेश के अवस्थापना एवं औद्योगित विकास आयुक्त, श्री अनिल कुमार गुप्ता ने बताया, ''प्रदेश के सर्वांगीण विकास कि लिए संपर्क तथा परिवहन अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाना अतिआवश्यक है इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर ले रही है''। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न केवल अवस्थापना विकास की नई परियोजनाओं की योजना बना रही है बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित कराने के लिए भी तत्पर है।

कॉन्सेप्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए परामर्शी के चयन हेतु प्राप्त निविदायें यहाँ आज खोली गयीं। कुल आठ बिड प्राप्त हुईं। अनुभव तथा न्यूनतम वित्तीय प्रस्ताव के आधार पर मे. रेडिकॉन इण्डिया प्रा. लि. को चुना गया। भारत सरकार के सड़क परिवहन तथा हाईवे मंत्रालय के इनपैनल्ड परामर्शियों से बिड्स दो भागों में मांगी गयी थी। प्रथम भाग में परामर्शियों के चयन में उनके एक्सप्रेस–वे तथा सड़क परियोजनाओं के अनुभव पर विशेष जोर दिया गया है, जबकि द्वितीय भाग में वित्तीय प्रस्ताव मांगे गये थे। ज्ञात हो कि 5 मई 2012 को एक **'प्री–ऑफर मीट'** का आयोजन किया गया था जिसमें परामर्शियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का इस **पी0पी0पी0 एक्सप्रेस–वे परियोजना** की **राज्य क्रियान्वयन संस्था तथा नोडल एजेन्सी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रीयल औथॉरटी (यूपीडा)** द्वारा समाधान किया गया।

यूपीडा के सी0ई0ओ0 श्री मुकुल सिंघल ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से इस एक्सप्रेस–वे के साथ साथ बड़ी संख्या में पेड लगाये जायेंगें साथ ही वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए उचित कदम उठाये जायेंगे। किसी भी प्रकार के ध्वनी अथवा वायू प्रदूषण को रोकने के लिए एक्सप्रेस–वे के किनारे ईको–फ्रेन्डली पार्क विकसित किये जायेंगें तथा नई झिलें तथा तालाब भी बनाये जायेंगे।